Result Mitra Daily Magazine

Antarctica Sandhi, Paryatan aur Bharat

हालिया संदर्भ-

- हालहीमेंपिछलेमहीने 20 मईकोभारतकेकेरलराज्यकेकोच्चिमें 'अंटार्कटिकसंधिसलाहकारबैठक' का 46 वांसंस्करणकाआयोजनकियागया।
- 20 मईसे 30 मईकेबीचचलनेवालीइसबैठकमेंमुख्यरूपसेअंटार्कटिकासेसंबंधितपर्यटनकेमुद्देएवंइसकेनिहितार्थोंपरचर्चाहुई।
- अंटार्कटिकसंधिपरामर्शबैठक (Antarctic treaty Consulative meeting)-
- अंटार्कटिकासंधिपरामर्शबैठकमुख्यरूपसे 1 दिसंबर 1959 कीगठितसंधिहै।
- 12 मूलदेशोंद्वाराहस्ताक्षरितयहसंधिमुख्यरूपसेअंटार्कटिकामहाद्वीपमेंशांतिपूर्णसह-अस्तित्वऔरवैज्ञानिकसहयोगकेलिएएकरूपरेखाकेरूपमेंहै।

संधि का इतिहास-

- 1950 केदशकमेंअंटार्कटिकमहाद्वीपकेक्षेत्रोंपरलगातारअर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, चिली, फ्रांस, न्यूजीलैंड, नॉर्वेऔरयूकेद्वाराऔपचारिकदावेकिएजातेरहे।
- हालांकिसंयुक्तराज्यअमेरिका, सोवियतसंघ, बेल्जियम, जापानसहितदक्षिणअफ्रीकाद्वाराअंटार्कटिकमहाद्वीपकापतालगानेकादावाकियाजाताहै।
- उपरोक्तविभिन्नदेशोंद्वाराअंटार्कटिकमहाद्वीपकेक्षेत्रोंपरकिएजारहेदावेएकदूसरेसेओवरलैपहोगए, जिससेइनक्षेत्रमेंसंघर्षकीस्थितिउत्पन्नहोगई।
- इसीक्रममेंवर्ष 1956 मेंभारतनेसंयुक्तराष्ट्रसेसंयुक्तराष्ट्रमहासभाकेअंतरिमएजेंडोंमें 'अंटार्कटिकाकेमुद्दों' कोशामिलकरनेकाअनुरोधकिया।
- इसीक्रममेंसंयुक्तराष्ट्रकेहस्तक्षेपकेफलस्वरूप 2 मई 1958 कोअमेरिकानेअन्यभागीदारदेशोंकोअंटार्कटिकमहाद्वीपकोवैज्ञानिकअनुसंधानकेलिएएक 'अंतरराष्ट्रीयप्रयोगशालाकेरूपमेंसंरक्षित' करनेकेलिएएकसंधिमेंशामिलहोनेकाप्रस्तावदिया।
- इसीप्रस्तावकेतहतअंटार्कटिकामेंसम्मेलनकाआयोजन 15 अक्टूबरसे 1 दिसंबर 1959 केबीचचलाजिसमें 'अंटार्कटिकसंधि' कोजन्मदिया, जो 1961 मेंलागूहुआ।
-
-

Result Mitra

- इससंधिकेतहतअंटार्कटिकामहाद्वीपक्षेत्रमेंविभिन्नदेशोंद्वाराकिएजारहेक्षेत्रीयदावेकोनिरस्तकरने सहितइसक्षेत्रमेंपरमाणुपरीक्षणपरप्रतिबंधलगानेतथावैज्ञानिकअनुसंधानकोबढ़ावादेनेपरप्रस्ताव पारितहुआ।
- वर्तमानमेंइससंधिमें 56 देशशामिलहैंजिनमें 12 मूलहस्ताक्षरकर्ताओंसहित 29 देशपरामर्शदातादलकेरूपमेंशामिलहैं।
- भारतवर्ष 1983 मेंइससंधिमेंशामिलहुआजोइससंधिका 'परामर्शदातादल' काभीसदस्यहै।
- इससंधिके 12 मूलहस्ताक्षरितदेशअर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, चिली, फ्रांस, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, यूनाइटेडकिंगडम, संयुक्तराज्यअमेरिका, रूस, बेल्जियम, जापानऔरदक्षिणअफ्रीकाहैं।

कोच्चि बैठक-

- इसवर्षपिछलेमहीनेमेंभारतकेकोच्चिमेंआयोजितअंटार्कटिकासंधिपरामर्शबैठकमेंअंटार्कटिकामहा द्वीपएवंसर्व-समावेशीशासनपरजोर, क्षेत्रकेपर्यटनढांचेमेंसुधारसहित 'मैत्री- III' अनुसंधानस्टेशनकीस्थापनाकीघोषणाकीगई।

अंटार्कटिका क्षेत्र में पर्यटन के मामले-

- वर्ष 2007 मेंभारतकेनईदिल्लीमेंआयोजितअंटार्कटिकासंधिपरामर्शबैठक (ATCM) सहितकोच्चिबैठकमेंभीअंटार्कटिकाक्षेत्रमेंचुनिंदादेशोंकेनिजीटूरऑपरेटरोंद्वारासंचालितअनियंत्रि तपर्यटनमेंतेजीसेवृद्धिपरभारतनेचिंताजताई।
- हालियाआंकड़ेकेअनुसारवर्ष 2023 मेंअंटार्कटिकामें 1 लाखसेअधिकपर्यटकआएथे।
- भारतकीइसचिंतापरकोच्चिमेंउपस्थितसभीअंटार्कटिकासंधिपक्षकेदेशोंनेइसक्षेत्रमेंपर्यटनकेलिएए करूपरेखाबनानेकीआवश्यकतापरसहमतिजताई।
- वर्ष 2025 मेंइटलीमेंआयोजितहोनेवाली ATCM कीअगलीबैठकमेंअंटार्कटिकाक्षेत्रमेंपर्यटनगतिविधियोंकोनियंत्रितकरनेवालेकड़ेनियमोंपरविचार -विमर्शहोनेकीसंभावनाहै।

ResultMitra

- कोच्चिमेंआयोजितइसबैठकमेंअंटार्कटिकाक्षेत्रमेंसमुद्रीबर्फपरिवर्तन, पेंगुइनकीरक्षा, पर्यावरणीयप्रभावमूल्यांकनकोबढ़ानेसहितइसक्षेत्रमेंपर्यावरणनिगरानीकेलिएएकअंतरराष्ट्रीयढांचेकेविकासपरभीचर्चाहुई।
- भारतनेइसबैठकमेंअंटार्कटिकक्षेत्रमें 'सर्वसमावेशीदृष्टिकोण' कोअपनानेसहितअंटार्कटिकाऔरउसकेसंसाधनोंकेसंरक्षणकीदिशामेंकामकरनेकेलिएसभीदेशों केसाथमिलकरशासन, अनुसंधानऔरकानूनीनीतियांबनानेकीजिम्मेदारीकीआवश्यकतापरजोरदिया।

अंटार्कटिका का महत्व-

- अंटार्कटिकामहाद्वीपपृथ्वीकेसबसेदक्षिणमेंस्थितसबसेकमआबादीवालामहाद्वीपहै।
- दक्षिणमहासागर (अंटार्कटिकमहासागर) सेघिराहुआयहमहाद्वीपविश्वकापांचवासबसेबड़ामहाद्वीपहै।
- 14 मिलियनवर्गकिमीक्षेत्रमेंफैलाइसमहाद्वीपका 98% भागमोटीवर्षकीचादरोंसेढकाहुआहै।
- पृथ्वीकेदक्षिणीध्रुवकेकरीबस्थितइसमहाद्वीपमेंपृथ्वीकेमीठेपानीकालगभग 75% भंडारमौजूदहै।
- अंटार्कटिकाकीजलवायुअत्यधिकठंडऔरशुष्कहै।
- सफेदमहाद्वीपकेनामसेजानाजानेवालायहमहाद्वीपअपनेवन्यजीवनऔरप्राचीनपर्यावरणकेलिएम हत्वपूर्णहै।

अंटार्कटिका में ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव-

- वर्तमानमेंवैश्विकस्तरपरबढ़रहेग्लोबलवार्मिंगकाप्रभावपृथ्वीकेतीनोंध्रुवउत्तर, दक्षिणऔरहिमालयकोसबसेअधिकप्रभावितकररहाहै।
- इनध्रुवोंपरग्लोबलवार्मिंगकेकारणपर्माफ्रॉस्टपिघलनेकीगतिविधिचिंताकाविषयबनताजारहाहै।
- पर्माफ्रॉस्टसक्रियबर्फकीचादरकेनीचेजमीहुईचट्टानऔरमिट्टीकीपरतेंहैं।
- वैज्ञानिकोंकामाननाहैंकिपर्माफ्रास्टकेअंदरपृथ्वीकेवायुमंडलसेलगभगदोगुनाकार्बनऔरमीथेनगैसजमाहै।
- वैश्विकस्तरपरबढ़तेतापमानकेकारणइनपर्माफ्रॉस्टकेपिघलनेकीप्रक्रियाकोतेजकरदियाहैंजिससे वायुमंडलमेंकार्बनडाइऑक्साइडऔरमीथेनकाउत्सर्जनहोताहैजोवैश्विकजलवायुमेंपरिवर्तनकेलि एजिम्मेदारहै।
- इसक्षेत्रमेंबढ़तेपर्यटनऔरमानवगतिविधियोंकेकारणअंटार्कटिकाकीहवाप्रदूषितहोतीजारहीहैजोइ सक्षेत्रकेजीव-जंतुओंकेलिएसंभावितखतराउत्पन्नकरसकताहै।

अंटार्कटिका में भारतीय अनुसंधान कार्यक्रम-

Result Mitra

- अंटार्कटिकामेंभारतीयअनुसंधानकार्यक्रमकीस्थापनावर्ष 1981 मेंभारतसरकारकेपृथ्वीएवंविज्ञानमंत्रालयतथाराष्ट्रीयअंटार्कटिकएवंमहासागरअनुसन्धानकेंद्रके तहतहुईथी।
- वर्ष 1983 मेंभारतद्वारा 'अंटार्कटिकसंधि' कासदस्यबननेकेबादअंटार्कटिकामेंभारतनेएकस्थाई 'दक्षिणगंगोत्री' नमकअनुसंधानकेंद्रस्थापितकिया।
- इसकेबादभारतने 1990 मेंयहाँ 'मैत्री' नामकशोधआधारितकेंद्रकीस्थापनाकीजिसकाउद्देश्यइसक्षेत्रमेंवायुमंडलीय, भौतिक, रासायनिकएवंजैविकखोजकरनाहै।

भारती (मैत्री-II)-

- 'भारती' अनुसंधानकेंद्र 18 मार्च 2012 मेंअंटार्कटिकक्षेत्रमेंसालोंभरभारतीयअंटार्कटिककार्यक्रमकोसंचालितकरनेकेलिएशुरूकियागया था।
- यहअनुसंधानकेंद्र 'मैत्री' सेलगभग 3000 किलोमीटरपूर्वमेंसमुद्रविज्ञानसंबंधीअध्ययनसहितमहाद्वीपबहावकाअध्ययनकरतीहै।
- ' भारती' भारतद्वाराअंटार्कटिकामेंतीसराअनुसंधानकेंद्रहै।
- इसेमैत्री-II केनामसेभीजानाजाताहै।

मैत्री-III

- भारतकाअंटार्कटिकाक्षेत्रमेंचौथाअनुसंधानकेंद्रमैत्री-III कासंचालनजनवरी 2029 तकहोनेकीसंभावनाहै।
- केंद्रीयपृथ्वीविज्ञानमंत्रालयकेअनुसारमैत्री-III केलिएस्थानकाचयनहोगयाहैजहांप्रारंभिकस्थलाकृतिकसर्वेक्षणचलरहाहै।
- भारतअबतक 40 सेज्यादा 'वैज्ञानिकअभियान' अंटार्कटिकामेंसंचालितकियाहै।

Result Mitra